

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



Cadaver Organ Donor Raju Batukbhai Desai

Brain dead diamond worker saves 4 lives



MUMBAI (PTI) A brain-dead diamond worker saved the lives of four people in Mumbai on Monday after his liver and kidney were donated to them.

Heart Taken To Mumbai For Transplant In Just 81 Minutes

Times News Network

Mumbai: A 26-year-old brain dead diamond worker gave away his liver and kidney to four people in Mumbai on Monday. The donor, Raju Batukbhai Desai, was a 26-year-old diamond worker who had been declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process. The organs were transported to Mumbai for transplant in just 81 minutes.

The donor's family members, including his wife and children, were present during the organ donation process. The organs were transported to Mumbai for transplant in just 81 minutes.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

He was from a middle class family and would have been able to donate anything to save lives. He was declared brain dead after a severe head injury. His family members, including his wife and children, were present during the organ donation process.

Sixth live heart travels from Surat to Mumbai

**Heart from
brain dead
patient in Surat
was transplanted
to Mumbai
resident on
early hours of
Thursday
morning**

Surat. Sixth live heart travelled all the way to Mumbai, where it was transplanted into a 29 years old patient at Mumbai's Fortis Hospital. 21 doctors from Surat, Ahmedabad and Mumbai worked hard for the second interstate live heart transplantation of Gujarat and Mumbai.

Heart of 32 years old Raju Desai, a resident of Katargam area of Surat was successfully transplanted into Rajakka Garle 29, a resident of Satara in Maharashtra.

On July 23, Desai fainted at his house and was undergoing treatment at private hospital. On July 27, doctors declared him brain dead.

Donate Life, an NGO working for organ donation visited hospital to get organs of Desai in donation.

Along with two kidneys, liver and eyes, heart of Patel was also donated by family members.

"After getting permission from family members, Savalia was taken into operation theater of Ayush Hospital in Surat at 11:52 pm. Team of doctors from Fortis Hospital left for Mumbai with live heart at 2 am and reached Mumbai at 3:02 am.

Heart transplant operation began at 3:21 am and it ended at 7:45 am," said Nilesh Mandlewala, president of Donate Life.

Live heart was shifted from Surat to Mumbai through Air Ambulance. Live heart travelled 81 minutes to reach Mumbai, added Mandlewala.

Kidneys and liver of Jagdish Patel was accepted by Ahmedabad based Institute of Kidney Diseases and Research Center (IKDRC). Somnath based 19 years old Haresh Chauhan received one kidney. Second kidney was donated to Ankul Prajapati 24 from Valsad town. Liver was transplanted to 68 years old Subhaschandra Desai from Ahmedabad.



ब्रेन डेड युवक के हृदय का मुम्बई की महिला को प्रत्यारोपण

- सतारा की राजका के सीने में धड़केगा राजू का दिल
- प्रत्यारोपण में एयर एम्बुलेंस हुआ मददगार

बीओटी संवाददाता
सूरत, 28 जुलाई

कतारगाम के ब्रेनडेड युवक के हृदय का सफल प्रत्यारोपण आज मुम्बई के फोर्टीज हॉस्पिटल में सतारा (महाराष्ट्र) की एक महिला को किया गया।

जानकारी के अनुसार कतारगाम नन्दू डोसी की वाड़ी निवासी राजू बटुक देसाई (34 वर्ष) हीरा कारखाना में बतौर स्पिनर काम करता था। 19 जुलाई को राजू देसाई को मिर्गी आने से बेहोश हो गया, जिसे एक निजी अस्पताल में चिकित्सा के लिए दाखिल कराया

गया। जहाँ 26 जुलाई को राजू देसाई का ब्लड प्रेशर घटने से उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। 27 जुलाई को न्यूरो सर्जन द्वारा राजू देसाई को ब्रेन डेड घोषित किया गया। परिवारजनों ने राजू देसाई उसके हृदय को दान करने का निर्णय लिया। जिसके लिए राजू देसाई को शहर के आयुष मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में दाखिल किया गया। हॉस्पिटल में उसका हृदय निकालकर सूरत एयरपोर्ट से एयर एम्बुलेंस के जरिये मुम्बई फोर्टीज हॉस्पिटल ले जाया गया। जहाँ सतारा की महिला राजका गरले (29 वर्ष) को राजू देसाई के हृदय का सफल प्रत्यारोपण किया गया। उल्लेखनीय है कि मुम्बई के फोर्टीज हॉस्पिटल में हृदय का यह 23वाँ प्रत्यारोपण रहा।

जिंदगी

सूरत के ब्रेन डेड व्यक्ति ने दिया चार को जीवनदान, ग्रीन कॉरिडोर बना माध्यम

81 मिनट में सूरत से मुंबई पहुंचा दिल

सुरत। पच्छि

सूरत के एक 47 वर्षीय व्यक्ति का मृत्यु हो चुका था, जिसमें ब्रेन डेड घोषणा की गई थी। इस व्यक्ति के परिवार में चारों जीवित बच्चे थे - एक बेटा और तीन बेटियां। इन बच्चों के माता-पिता को यह पता चला कि उनके बेटे का दिल 81 मिनट में सूरत से मुंबई पहुंचा और एक व्यक्ति को जीवनदान दिया।



मुंबई में एक डॉक्टर ने ब्रेन डेड व्यक्ति के दिल को सूरत से मुंबई पहुंचा दिया।

20 जुलाई को सूरत के एक व्यक्ति का मृत्यु हो गई थी और 21 जुलाई को मुंबई में उसे सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपित किया गया था। सूरत के परिवार के सदस्यों को सूरत के अस्पताल के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा गया।

सूरत के डॉक्टर, शिवर, शिवर और शिवर ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था। सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था।

सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था। सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था।

सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था। सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था।



सूरत से 81 मिनट में हृदय मुंबई पहुंचा, सफलतापूर्वक हुआ ट्रान्सप्लान्ट

ब्रेन डेड राजू देसाई के परिवारों ने समाज को नयी दिशा दी

सूरत, 26 जुलाई। सूरत के ब्रेन डेड व्यक्ति राजू देसाई (47 वर्षीय) का मृत्यु हो चुका था। इस व्यक्ति के परिवार में चारों जीवित बच्चे थे - एक बेटा और तीन बेटियां। इन बच्चों के माता-पिता को यह पता चला कि उनके बेटे का दिल 81 मिनट में सूरत से मुंबई पहुंचा और एक व्यक्ति को जीवनदान दिया।



26 जुलाई को राजू देसाई का मृत्यु हो चुका था और 27 जुलाई को मुंबई में उसे सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपित किया गया था। सूरत के परिवार के सदस्यों को सूरत के अस्पताल के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा गया।

सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था। सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था।

सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था। सूरत के डॉक्टरों ने सूरत के डॉक्टरों को सूरत जाने के लिए कहा था।

सूरत से 81 मिनट में मुम्बई पहुंचा दिल

कतारगाम निवासी
ब्रेन डेड व्यक्ति के
अंगदान से चार को
मिला नया जीवन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
pntn1.com

सूरत, कतारगाम तरुणों को बचो में हीय लवस्थाने में कार्य करने वाले व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद उसके परिवारों ने हृदय, किडनी और लीवर का दान कर चार जनों को नया जीवन दिया, जबकि अर्धों का दान लोकसुवि चशु बैंक ने स्वीकार किया। फोटोम अस्पताल की टीम 81 मिनट में हार्ट को लेकर सूरत से मुम्बई पहुंची और इसे मडरेल्ड के व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया गया।

कतारगाम स्नेहसागर सेसायर्ट के पास मंगलमूर्ति अपार्टमेंट निवासी राजू बटुक देसाई (34) 19 जुलाई को दोफर डेड अज्ञे खाने के पश्चात निधन जाने से बेहोश हो गए। उन्हें ओम रेचम अस्पताल में भर्ती कराया गया। 23 जुलाई को उन्हें आरुण अस्पताल सिफ्ट किया गया। यहां 26 जुलाई को रक्तचाप घटने से उनकी तर्तीयत गंभीर हो गई। 27 जुलाई को न्यू फिजियलन डॉ. किशोर पटवर्गला और न्यू सर्जन डॉ. हरामुल्ल सेतिया ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया। तब के दोस्त पेश चचारिस ने डॉनेट लाइफ के प्रमुख निदेशा मांडलेवला को जानकारी दी। मांडलेवला उनके परिवारों से मिले और अंगदान के पहलु को समझाया। परिवारों से सहमति मिलने के बाद



मांडलेवला ने आइक्यूआरसी ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर त्रिया शाह तथा डॉ. प्रकृत गोरे से संपर्क किया।

मुम्बई के फ्लैटिस अस्पताल के चीफ फिजिकल सर्जन डॉ. अन्वय नुते ने दान दान स्वीकार किया। अहमदाबाद

के आइक्यूआरसी के डॉ. प्रजितल ने दो किडनी और लीवर, चर्को अंगों का दान लोकसुवि चशु बैंक ने स्वीकार किया। हृदय का ट्रांसप्लांट मडरेल्ड के सहाय कित्त निवासी एमकावेन रस्त (29) में किया गया। एक किडनी गुजरात सोननाथ निवासी हरेश चौहान (19), दूसरी किडनी कलासाड निवासी अंकुल जगपति (24) और लीवर अहमदाबाद निवासी सुभाषचन्द्र रमणलाल देसाई (68) में ट्रांसप्लांट किया गया।

डॉनेट लाइफ ने अब तक सूरत के छह ब्रेन डेड व्यक्तियों के दान का दान करवाया है। मुम्बई के फोटोम अस्पताल में अब तक 23 हार्ट ट्रांसप्लांट के ऑपरेशन हुए, जिनमें सूरत के एक हार्ट शामिल है।

सूरत से 81 मिनट में छठवां हृदय महाराष्ट्र में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया

सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी

सूरत, महाराष्ट्र से 81 मिनट में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया। सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी।



सूरत से 81 मिनट में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया। सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी।

सूरत से 81 मिनट में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया। सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी।

सूरत से 81 मिनट में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया। सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी।

सूरत से 81 मिनट में ट्रांसफर और ट्रांसप्लांट किया गया। सीराफ़ सेडवा परेल समाज के डेप्युटी वॉन बद्रुकभाई देसाई के अंगों का दान कर चार व्यक्तिओं को नया जीवन दिया और दो व्यक्तिओं को नया रोशनी दी।

डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया

(प्रतिनिधि द्वारा) सूरत, गुजरात कारखाना अंगोथी छ ज़वन यमकी गया। डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया। डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया।



डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया। डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया। डीराना कारखानाना स्पीनरनां अंगोथी छ ज़वन यमकी गया।

सूरतमांथी दृष्टी वषत उदय मुंभर्छ भोडलायु : मुंभर्छनी डोस्पिटलमां सईण स-सप्लान्ट करायुं

સુરતથી ૮૧ મિનિટમાં ધબકતું હૃદય મુંબઈ લાવી સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

૩૪ વર્ષીય બ્લેનડેડ રાજુભાઈ દેસાઈનાં અંગનાં દાનથી ચારને નવજીવન મળ્યું

સુરત તા. ૨૮ : ૧૯૬૧ વખત સુરતથી ધબકતું હૃદય મુંબઈ સ્થિત દર્દીનાં શરીરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં તબીબોને સફળતા પ્રાપ્ત થઈ છે તો સાથે ૩૪ વર્ષીય બ્લેનડેડ રાજુભાઈ દેસાઈનાં અંગનાં દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન પ્રાપ્ત થયું છે.



ગત ૧૯મીએ શહેરમાં કતારગામ ખાતે રહેતા રાજુભાઈ ભટ્ટકભાઈ દેસાઈને તેમના પ્રેરે બેંચ આવતાં બેભાન થઈ જતાં તેને તાત્કાલિક નજીકની શિવમ મહર્ષી સ્પેશિયાલીટી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરવામાં આવ્યાં હતાં. જ્યાં તેમની તબિયતમાં કોઈ સુધારો નહિ થતાં આયુષ આઈસીયુ એન્ડ મહર્ષી સ્પેશિયાલીટી હોસ્પિટલમાં ડો.જી.વી. પટેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરાયા હતાં. ગત ૨૬મી જુલાઈએ તેમનું શ્વેડ પ્રેશર થઈ જતાં તબિયત ભગડી હતી. ગત ૨૭મીએ ન્યુરોફિઝીશિયન ડો. કિશોર પડસાળા અને ન્યુરોસર્જન ડો. હસમુખ શોજીયાએ દર્દી રાજુભાઈ દેસાઈને બ્લેનડેડ જાહેર કર્યાં હતાં. પરિવારનાં મિત્ર રમેશભાઈ વઘાસિયાએ ડોનેટ લાઈફનાં પ્રમુખ નિલેશભાઈ માંડલેવાળાનો સંપર્ક કરીને રાજુભાઈના બ્લેનડેડ અંગની માહિતી આપી હતી.

ડોનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચીને બ્લેનડેડ રાજુભાઈ દેસાઈનાં પરિવારનાં સભ્યો માતા શાંતુબેન, પિતા ભટ્ટકભાઈ, મારા લગ્નભાઈ નાવડિયા,

રાજુભાઈ સુતરિયાને બ્લેનડેડ રાજુભાઈનાં અંગદાન કરવા માટે રાજી કરવામાં સફળતા મેળવી હતી.

બ્લેનડેડ રાજુભાઈનું ધબકતું હૃદયનું માત્ર ૮૧ મિનિટમાં મુંબઈ સ્થિત ફોર્ટિસ હોસ્પિટલનાં ચીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડો. અન્યય મુલે અને તેની ટીમે સતારા નિવાસી રાજકા ગરલો(ઉ.૨૯)માં સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બન્ને કિડની પૈકી એક કિડની સોમનાથનાં રહેવાસી હરેશ ચૌહાણ(ઉ.૧૯)અને બીજી કિડની વલસાડના રહેવાસી અંકુલ પ્રજાપતિ(ઉ.૨૪)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. લીવરનું સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદનાં યુમાયચંદ્ર દેસાઈ(ઉ.૨૮)માં સફળ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. બ્લેનડેડ રાજુભાઈની આંખોનું દાન લેવા લોકદ્રષ્ટિ ચક્રુ બેન્ડના ડો. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

નોંધવું કે અત્યાર સુધી ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાનાં મેજ હેઠળ સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી છ હૃદય, ૩ પેન્ક્રીઆસ, ૫૭ લીવર, ૧૬૧ કિડની અને ૧૩૮ ચક્રુઓનું દાન મેળવીને કુલ ૩૬૫ વ્યક્તિઓને નવું જીવન આપાવવામાં સફળતા મેળવી છે.

» पहेला पानाजुं अनुसंधान

सुस्तीयुवांना...

हृदयने मुंबईनी कोर्टिस होस्पिटलमां जडस्तमंढने ट्रान्स्प्लान्ट करायुं छतुं. डोनेट वाईफ यकी आ छडू हृदयनु दान कोर्टिस होस्पिटले मेगवी 23मु हृदयनु सकण ट्रान्स्प्लान्ट कर्युं छतुं. उत्तारगामनी नंदुश्रीनीं वाडी भाते रकेतां वेठिवा पठेल समाजना राजू बदकभाई देसाई (34) रत्न कलाकार छतां. तेमनु मेय आव्या भाद वषु सारवार अर्थे आयुष होस्पिटलमां दाखल कराया छत. परंतु गत 27मीअे तेमने जेन्डेड जालेर कराया छतां. आ अंगे डोनेट वाईफना प्रमुण गिलेश मांडवेवाळाने जाका धर्ता तेमझे मृतकना परिवारजनोने ओर्गन डोनेट अंगे समज आपतां ओर्गन निष्कणताना हर्दीओमां ओर्गन डोनेट अंगेनी मंजुरी आपी छती. तेथी अभदावादनी आर्किडीआरसी सेन्टरनी टीम क्रीडनी वीवरनु दान, यक्षुओनु दान कोकद्रष्टि यक्षु भेकेस्वीकार्युं छतुं. तो हृदयदान जेकटीसीसीना डी.ओडीनेटर राजूलनी संपर्क करासो छतो. मुंबईनी कोर्टिस होस्पिटलना कार्डियाक सर्जन डी.अन्वय मुले अने तेमनी टीम हृदयनु दान स्वीकार्युं छतुं. दानमां भगेषी जे किडनी पैकी जेक किडनी सोमन घना लरेश योछाश (19) अने बीछ किडनी वलसाडना अंकुल प्रजापति (24)मां ट्रान्स्प्लान्ट करायुं. तो वीवर अभदावादना सुभाषबंद देसाई (68)मां ट्रान्स्प्लान्ट करवामां आव्युं छतुं. तो हृदयनु ट्रान्स्प्लान्ट सतारा जिळ्वाना राजका गरले (29) नागनी महिलामां करायुं छतुं.

डेडेवर हृदय डोनेटनो घटना क्रम

- रात्रे 11.52 कलाके डेडेवर ओर्गन डोनेट राजू देसाईने सुरत आयुष होस्पि.मां ओ.रेशान माटे शीकट कराया
- रात्रे 2.00 कलाके मुंबईनी कोर्टिस होस्पिटलमां कार्डियाक सर्जन डी.अन्वय मुलेअे टीम साथे हृदयनु दान स्वीकारी आयुष होस्पिटलथी सुरत अेरपोर्ट जवा स्वाना घया
- रात्रे 2.17 कलाके डी.अन्वय मुले टीम साथे सुरत अेरपोर्ट पळोव्या
- रात्रे 2.22 कलाके सुरत अेरपोर्टथी अेर अेभ्युलन्समां हृदय मुंबई वई जवा स्वाना घया
- रात्रे 3.05 कलाके डी.अन्वय मुलेनी टीम मुंबई अेरपोर्टथी कोर्टिस होस्पि. जवा स्वाना घया

■ रात्रे 3.21 कलाके डी.मुले अने तेमनी टीम कोर्टिस होस्पि. ओटीमां द.भल घया

■ सवारे 7.45 कलाके हृदयनु ट्रान्स्प्लान्ट सतारा जिळ्वाना राजका गरले (29) नागनी महिलामां करवा आर्किडीयुमां शीकट करी करवामां आव्युं.

81 मीनीटमां हृदय सुरतथी मुंबई मुलुन्ट कोर्टिस होस्पि.मां वई गया भाद ट्रान्स्प्लान्ट करायुं

સુરત, ગુજરાતમાંથી ૮૧ મીનીટમાં છઠ્ઠું ક્ષય મુંબઈ, મહારાષ્ટ્રમાં ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું

■ સુરત, તા. ૨૮

મંગળવાર તા. ૧૯ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ બપોરે ૧.૩૦ કલાકે જન્મી વખતે રાજુભાઈને ખેંચ આવતા તેઓ બેભાન થઈ ગયા હતા તેથી તેને ઓમ શીવમ મહ્ટી સ્પેશ્યાલીટી હોસ્પિટલમાં ડો. હિતેશ તમાકુવાળાની સારવાર હેઠળ દાખલ કરવામાં આવ્યા અને સારવાર શરૂ કરવામાં આવી. શનિવાર તા. ૨૩ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ ઓમ શીવમ મહ્ટી સ્પેશ્યાલીટી હોસ્પિટલ માંથી સાંજે ૪.૦૦ કલાકે આયુષ ઈ.ઈ.ઝ. એન્ડ મહ્ટી સ્પેશ્યાલીટી હોસ્પિટલમાં ડો. જી.વી. પટેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરવામાં આવ્યા મંગળવાર તા. ૨૬ જુલાઈ, ૨૦૧૬ ના રોજ તેમનું બ્લડ પ્રેશર ઘટી જતાં તબિયત ખરાબી હતી. મુઘવાર તા. ૨૭ જુલાઈના, ૨૦૧૬ ના રોજ ન્યુરોફીઝીયન



ડો. કિશોર પડસાળા અને ન્યુરોસર્જન ડો. હસમુખ સોજીત્રાએ રાજુ ને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો. પરિવારના મિત્ર રમેશભાઈ વઘાસીયા એ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો ટેલીફોનિક સંપર્ક કરી રાજુના બ્રેનડેડ અંગેની માહિતી આપી. ડોનેટ લાઈફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી રાજુના પિતાશ્રી બટુકભાઈ માતાશ્રી શાંતુબેન, માસા લવજીભાઈ નાવડીયા, માસીના

દીકરા રાજુભાઈ સુતરીયાને ઓર્ગન ડોનેશન અંગેની જાણ કરી આપી, ઓર્ગન ડોનેશનનું મહત્વ સમજાવ્યું રાજુના પિતા શ્રી બટુકભાઈ અને માતાશ્રી શાંતુબેને જણાવ્યું કે સાહેબ અમારો દિકરો બ્રેનડેડ છે અને મૃત્યુ નિશ્ચિત જ છે તો તેના અંગો બળીને રાખ થઈ જાય તેના કરતા તેઓના અંગોનું દાન કરીને કિડની, લિવર અને ક્ષદ્ય નિષ્કળતાના દર્દીઓને નવું જીવન મળે તેવું કરો.

सुरतमांथी छडुं हृदय मळाराष्ट्रमां ट्रान्सफर अने ट्रान्सप्लान्ट करायुं

० केंतारगामना युवानना
अंगदानधी शार जखाने
नवखळवन अने जेने
रोशनी मणी

सुरतमांथी २८

अंगदानना घेउण पठेव सन्ध्याजन्म
अंगदानना अंगदानली शार
जखाने नवखळवन अने जेने रोशनी मणी
अनी. अंग युवानना डॉ. दानेंत शार
गुजरात, सुरतमांथी ८१ मिनिटां छडुं
हृदय मळाराष्ट्रमां मुळीं अंगे ट्रान्सफर
अने ट्रान्सप्लान्ट करणुं अंगुं अंगुं.
तेमळ तेने आभा अने बीवर, किडनीजुं
अंगदान करणुं अंगुं.

अंगदानना स्थित अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना
(०१.०२) अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना

अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना

अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना
अंगदानना अंगदानना अंगदानना अंगदानना